In the News

Publication: **Navbharat** | Region : **Mumbai** | Date: **21/08/2017** | Page No.: **09**

घटती जमा दरें, बीमा उत्पाद आकर्षक

आशीष वोहरा
सीईओ, रिलायंस निपोन लाइफ इंश्योरेंस

पिछले 3-4 वर्षों में ब्याज दरों हो रही गिरावट से आपके द्वारा बैंक में सावधि जमा (एफडी) पर भी प्रतिफल काफी घट गया है. घटती ब्याज दरों के माहौल में आगे भी गिरावट की ही आशंका है. दीर्घकालीन निवेश के लिए, अल्पकालीन अस्थिरता चिंता की बात नहीं होती. असली खतरा तो बच्चे की पढ़ाई, शादी या सेवानिवृत्त जैसे लक्ष्यों के लिए आवश्यक राशि जुटाने की होती है. ऐसे अस्थिर समय में, जीवन बीमा के ऐसे उत्पाद सर्वोत्तम उपाय हैं, जो प्रतिफल की गारंटी देते हैं. ऐसे उत्पादों में जीवन रक्षा का तत्व यह सुनिश्चित करता है कि आपकी मृत्यु होने पर भी, आपके प्रियजनों को वादे की राशि जरूर मिलेगी. बहरहाल, बैंक की जमा राशियों में दिए जाने वाले ब्याज की दर में गिरावट से आपकी वित्तीय योजना बहुत प्रभावित होगी. इसलिए, एक निश्चित अवधि के बाद अपेक्षित प्रतिफल की राशि के बारे में स्पष्टता का होना बहुत जरूरी है, लेकिन बैंक के एफडी के मामले में फिलहाल तो कोई स्पष्टता नहीं है.

सावधि जमा पर घटता प्रतिफल

आरबीआई द्वारा हाल ही में घोषित अतिरिक्त 0.25 प्रतिशत की कटौती से प्रतिवर्ती रेपो दर 6 प्रतिशत के सात वर्षों के निचले स्तर पर आ गई है और बैंक में जमा राशि से आपको पर्याप्त प्रतिफल नहीं मिल पाएगा. विश्लेषक अधिक कटौती तथा अधिक घटे प्रतिफलों की संभावना व्यक्त कर रहे हैं. पिछले 3 वर्षों में ब्याज दर 8.75 प्रतिशत से घटकर 6 प्रतिशत होने से 10 लाख रुपए पर अर्जित वार्षिक ब्याज का अंतर एक वर्ष में ही लगभग 30,000 रुपए होगा. 20 से 25 वर्षों में, ब्याज दर में गिरावट से आपकी वित्तीय बचत योजना बहुत अधिक प्रभावित होगी क्योंकि बैंक के एफडी की ब्याज दर इतनी लंबी अवधि के लिए नियत नहीं भी नहीं होगी. उदाहरण के लिए, आप 20 वर्षों में 70 लाख रुपए के जादुई आंकड़े को प्राप्त करने की योजना बना रहे हैं तो आपको 6 प्रतिशत की ब्याज दर पर हर महीने 15,000 रु. की बचत करनी होगी. बहरहाल, यदि ब्याज दर 4 प्रतिशत हो तो आप 55 रु. लाख ही बचा पाएंगे. 15 लाख की कमी से आपके बच्चे की उच्च शिक्षा की योजनाएं प्रभावित हो सकती हैं जब तक कि आप हर महीने 19,000 रु. से अधिक की मासिक बचत करें, जो आपकी मौजूदा जिम्मेदारियों के लिए बड़ी चुनौती होगी. ब्याज की घटती दर से ऐसे ग्राहकों को बहुत अधिक जोखिम झेलना होगा जो अधिक जोखिम नहीं ले सकते हैं, स्टॉक मार्केट के उतार-चढ़ाव को समझ नहीं पाते हैं, विशेषकर छोटे शहरों में. वे आम तौर पर एफडी जैसे नियत प्रतिफल वाले निवेश का विकल्प लेते हैं.

गारंटीयुक्त प्रतिफल

ऐसी स्थिति में एक सर्वाधिक आकर्षक प्रस्ताव 'जीवन बीमा' है विशेषकर ऐसे प्रस्ताव जिनमें जीवन रक्षा के साथ गारंटीयुक्त प्रतिफल दिए जाते हैं. एफडी की तुलना में, अच्छे गारंटीयुक्त प्रतिफल वाले जीवन बीमा उत्पाद आपको प्रारंभिक कर अनुलाभ, नियत और कर-मुक्त प्रतिफल बेहतर प्रतिफल दे सकते हैं. ऐसी जीवन बीमा पालिसियां नियत प्रतिफल देती,हैं और भुगतान की गारंटी भी देती हैं यदि बीमा रक्षित व्यक्ति की असामयिक मृत्यु हो जाती है. इस तरह, आपके परिवार की वित्तीय रक्षा प्रदान करने के लिए इससे बेहतर विकल्प नहीं हो सकता है. भारत का जीवन बीमा क्षेत्र भी न केवल प्रतिफल द्वारा बल्कि अधिक बेहतर सेवा मानकों द्वारा ग्राहकों को अधिक मूल्य प्रदान करने की ओर लगातार काम कर रहा है. वर्तमान परिस्थितियों में निवेश के कुछ अन्य विकल्पों की तुलना में बीमा उत्पाद के प्रतिफल के अधिक आकर्षक होने से, बचत करने वालों को अपनी वित्तीय योजना पर दोबारा विचार करना चाहिए और ऐसे उत्पादों का विकल्प लेना चाहिए जो उनके दीर्घकालीन लक्ष्यों के लिए अधिक आकर्षक गारंटीयुक्त प्रतिफल देते हैं . उपभोक्ताओं को ऐसे उत्पाद खरीदने से पहले अपनी आयु, बीमाकर्ताओं द्वारा बताए गए अनुसार संभावित नकदी प्राप्ति के अंतर, समय से पहले पालिसी बंद करने की शर्तें, कराधान के अनुलाभ के लिए बीमा पालिसी के सटीक और गारंटीयुक्त नकदी प्राप्ति को समझना होगा.